देश की सबसे उम्रदराज लंगड़ी बाघिन का निधन
10 शावकों को जन्म देकर पेंच में बाघों का बढ़ाया था कुनबा

सिवनी (स्वतंत्रमत)

पेंच टाइगर रिज़र्व की वरिष्ठ बाघिन पी.एन. 20 (टी-20) का प्राकृतिक कारणों से निधन पेंच टाइगर रिजर्व की प्रसिद्ध एवं वरिष्ठतम बाघिनों में से एक पी.एन. 20 (टी-20), जिसे लंगड़ी बाघिन के नाम से भी जाना जाता था, आज प्रातः लगभग 10.30 बजे कर्माझिरी रेंज के बाइसन बीट अंतर्गत जोड़ा मुनारा कैम्प के पास मृत अवस्था में पाई गई। वर्ष 2008 में जन्मी इस बाघिन की आयु लगभग 18 वर्ष थी। यह बाघिन दिनाँक 06.03.2026 को अंतिम बार पर्यटकों को दिखाई दी थी। बाघिन काफी समय से दीर्घ आयु होने के कारण शारीरिक रूप से कमजोर थी। बाघिन की मृत्यु वृद्धावस्था के कारण से हुई। यह पेंच टाइगर रिजर्व की सबसे अधिक आयु वाली बाघिनों में से एक थी। पी.एन. 20 पेंच टाइगर रिजर्व की विश्वविख्यात कॉलरवाली बाघिन की सहोदर बहन थी। कर्माझिरी परिक्षेत्र के लगभग 70 प्रतिशत क्षेत्र में इसका विचरण रहा है।

सामने के पंजे में जन्मजात विकृति के कारण यह बाघिन हल्का लंगड़ाकर चलती थी, जिसके कारण यह पर्यटकों के बीच बाघिन के नाम से प्रसिद्ध हो गई थी। पी.एन. 20 का प्रजनन इतिहास अत्यंत उल्लेखनीय रहा है दिसंबर 2012 में प्रथम बार दो मादा शावकों को जन्म वर्ष 2016 में तीन शावक (एक नर, दो मादा)वर्ष 2019 में चार नर शावक वर्ष 2021 में एक मादा शावक, जो वर्तमान में पी.एन. 165 (लक्ष्मी) के नाम से कर्माझिरी परिक्षेत्र में विचरणरत है इस प्रकार पी.एन. 20 ने अपने जीवनकाल में कुल 10 शावकों को जन्म दिया, जिन्होंने पेंच टाइगर रिजर्व एवं इसके आसपास के क्षेत्रों में अपने-अपने क्षेत्र स्थापित कर बाघों की संख्या बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्तमान में अत्यधिक वृद्धावस्था के कारण यह बाघिन शारीरिक रूप से कमजोर हो चुकी थी तथा स्वयं शिकार करने में भी असमर्थ हो गई थी। हालांकि, अन्य बाघों अथवा तेंदुओं द्वारा छोड़े गए शिकार से इसे समय-समय पर भोजन प्राप्त हो जाता था।अत्यधिक आयु के बावजूद इस बाघिन ने लंबे समय तक जीवित रहने की अदम्य इच्छा और संघर्षशील जीवन शक्ति का परिचय दिया। अपने जीवनकाल में इसने पेंच टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस प्रतिष्ठित बाघिन के निधन पर मुख्य वन संरक्षक, सिवनी तथा पेंच टाइगर रिजर्व प्रबंधन तथा द्वारा भावभीनी और सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। पी. एन. 20 को एनटीसीए की निर्धारित गाइडलाइंस का पालन करते हुए वरिष्ठ वन्यजीव चिकित्सक और स्थानीय पशु चिकित्सक द्वारा मुख्य वन संरक्षक सिवनी, उप संचालक पेंच टाइगर रिजर्व, प्रतिनिधि, स्थानीय जन प्रतिनिधि और राजस्व विभाग के प्रतिनिधि की उपस्थिति में पोस्टमार्टम एवं भस्मीकरण किया गया।

नवसाक्षर परीक्षार्थी परीक्षा 14 को

सिवनी (स्वतंत्रमत)

साक्षरता दर बढ़ाने हेतु भारत सरकार के निर्देशानुसार संचालित ''उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम'' अंतर्गत कलेक्टर सह जिला मिशन संचालक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी सह जिला परियोजना संचालक के निर्देशन में दिनांक 14 मार्च 2026 को नवसाक्षरों की मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता मूल्याकंन परीक्षा का आयोजन होना है।

जिले के 19500 नवसाक्षर (परीक्षार्थी) परीक्षा में सम्मिलित होगें। परीक्षा का समय प्रातः 10 बजे से सायं 05 बजे तक रहेगा तथा परीक्षा तीन घंटे की रहेगी, परीक्षा तिथि में परीक्षार्थी अपनी सुविधानुसार परीक्षा केन्द्र आ सकता है। नवसाक्षरों को परीक्षा केन्द्र तक लाने में अक्षर साथी, सामाजिक संस्था, वरिष्ठ नागरिकों, एन.एस.एस, एन.सी.सी, भारत स्काउट गाइड, नेहरू युवा केन्द्र, जन अभियान परिषद, मुख्यमंत्री नेतृत्व विकास पाठयक्रम के छात्र/छात्राओं का सहयोग ले सकते है।

परीक्षा में ऐसे नवसाक्षर शामिल होगें, जो नवभारत साक्षरता कार्यकम अंतर्गत सर्वे के द्वारा चिन्हांकित किये गये हो तथा अक्षर साथियों के द्वारा नामांकन किया जाकर राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा आईपीसीएल पद्धति से तैयार की गई अक्षर पोथी प्रवेशिका से अध्ययन कार्य किया हो।

पूर्व के ऐसे नवसाक्षर जिन्होंने साक्षरता अभियान अंतर्गत संचालित कक्षाओं में प्रवेशिका पूर्ण कर अंतरिम मूल्याकंन में सफ्लता अर्जित की हो, किन्तु प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं किया जा सका हो, ऐसे व्यक्ति जो पूर्व में शिक्षा प्राप्त कर चुके है किन्तु उनके पास किसी प्रकार का शैक्षणिक प्रमाण पत्र ना हो, किन्तु उनकी उम्र 15 वर्ष या अधिक हो।

पूर्व परीक्षाओं में जिन परीक्षार्थी के परीक्षा परिणाम में सुधार की आवश्यकता है, उन्हें मूल्यांकन परीक्षा में शामिल कराया जावेगा।

परीक्षा केन्द्र शासकीय विद्यालय पंचायत भवन सामाजिक चेतना केन्द्र में होगे जो कि उपलब्ध सुविधाओं पर निर्भर करेगा। परीक्षा केन्द्र में उपयुक्त प्रबंध के साथ साथ अन्य प्रबंध जैसे पीने का पानी, टेबिल कुर्सी, फर्श टाटपटटी आदि की व्यवस्था की जावेगी। शासकीय स्कूलों के प्रधानाध्यापक/प्राचार्य परीक्षा केन्द्र प्रभारी होगें और परीक्षा के आयोजन के साथ जुडी समस्त गतिविधियों के लिए उत्तरदायी होगे।

कुल मूल्यांकन 150 अंको का होगा, जिसमें पढ़ना-50, लिखना-50 एवं गणित-50 अंक निर्धारित किये गये है। प्रत्येक विषय में 33 प्रतिशत (17 अंक) या उससे अधिक अंक प्राप्त होने पर ही परीक्षा में उत्तीर्ण माना जावेगा। भारत सरकार द्वारा शिक्षार्थी के लिए कुल 5 अंक का ग्रेस देने हेतु प्रावधान किया गया है। यदि किसी शिक्षार्थी उक्त तीनों भागों में 33 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त किये जाते है, तो उक्त 5 अंकों को एक से अधिक भागों में विभाजित करते हुए (5 अंक) ग्रेस मार्क्स दिये जा सकेगें। इन शिक्षार्थियों को भी परीक्षा में उत्तीर्ण माना जावेगा। 33 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त होने पर संबंधित के परीक्षा परिणाम में ''सुधार की आवश्यकता'' लिखा जावेगा।

कुत्ते से टकराकर बाइक गिरी, तीन युवक घायल

जिले के घंसौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत दारोटे ग्राम के पास रविवार देर रात एक सड़क हादसे में तीन युवक घायल हो गए।

सिवनी (स्वतंत्रमत)

तेज रफ्तार बाइक अचानक सामने आए कुत्ते से टकराकर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर लखनादौन से कछी बुधवार की ओर जा रहे थे। दारोटे ग्राम के पास अचानक एक कुत्ता बाइक के सामने आ गया। तेज गति के कारण चालक बाइक पर नियंत्रण नहीं रख पाया और बाइक कुत्ते से टकराकर पलट गई।

हादसे में तीनों युवकों के हाथ, पैर, सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद एक युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि इस हादसे में बाइक को भी काफी नुकसान पहुंचा है। वहीं घायलों की पहचान समाचार लिखे जाने तक नहीं हो सकी थी।

नदी के अंदर हो रही अवैध रूप से खेती , आखिर प्रशासन क्यों आँखें मूंदे बैठा

पिछले वर्ष की तरह इस बार भी जल संकट से जूझेंगे लोग कुछ वर्षों से नदी का जलस्तर कम होते ही अवैध रूप से नदी में की जाती हैं खेती

छपारा (स्वतंत्रमत)

नगर के समीप से होकर गुजरने वाली पतित पावन बैनगंगा नदी जो क्षेत्रीय जनों के लिए जीवनदायिनी है जिसमें बीते कुछ वर्षों से नदी का जलस्तर कम होते ही कुछ लोग अवैध रूप से नदी के भीतर ही खेती कर रहे हैं,साथ ही बड़ी मात्रा में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कर फसलों को पैदा किया जा रहा है। जिससे बैनगंगा नदी का पानी मानव जीवन सहित अनेक जलीय जीव जंतु के लिए हानि कारक हो जाता है, कीटनाशक दवाओं के प्रभाव में आकर अनेकों जीव जंतुओं का जीवन भी नष्ट हो जाता है।

साथ ही उक्त नदी का जल नगर सहित आधे जिले में पीने के लिए सप्लाई होता है, जिसका प्रभाव यह है कि छपारा नगर में वर्ष भर लोग जल जनित रोग से पीड़ित नजर आते है।

इसके बाद भी समय रहते प्रशासन द्वारा इस रोक नहीं लगाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर मार्च महीने के शुरुआती सप्ताह में ही नदी के गिरते हुए जल स्तर को देखते आगामी समय में भीषण जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। वहीं पिछले वर्ष सिवनी शहर में आए जल संकट के बाद भी जिला प्रशासन द्वारा इस मामले पर कोई ठोस कदम नहीं उठाना समझ से परे है।

साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि और जागरूक नागरिकों के द्वारा प्रशासन को अवगत कराए जाने के बाद भी इस मामले में लापरवाह पूर्ण रवैए के चलते लोगों में निराशा हैं।

सिंचाई विभाग मूकदर्शक बना कभी कार्यवाही नहीं होने से कब्जाधारियों के हौंसले बुलंद

इसके साथ ही देखने में आया कि पिछले कुछ वर्षों से नदी का जलस्तर कम होते ही अवैध रूप से नदी के अंदर ही खेती की जा रही हैं जो कि चिंताजनक हैं।

किंतु अत्यधिक अनाज उत्पादन की होड में इन सभी बातों को दरकिनार कर बेधड़क बड़े पैमाने पर नदी के बीचों बीच खेती कई वर्षों से की जा रही है। जिस पर रोक लगाने में स्थानीय प्रशासन भी नाकाम रहा हैं। हाल के दिनों में सिंचाई हेतु तेजी से जिस तरह भीमगढ जलाशय से पानी छोड़ा जा रहा है उससे नदी का जलस्तर तेजी से घट गया है ।वही अवैध रूप से खेती करने वाले किसान इस खाली भूमि पर नजर गढ़ाए हुए थे और कुछ ही दिनों बाद फसल बोने के लिए तैयारी प्रारंभ हैं जिसे लेकर नगर के गणमान्य नागरिक से लेकर जागरूक नागरिकों ने जिला कलेक्टर से अपील की है कि बैनगंगा नदी में अवैध रूप से खेती को रोक लगाई जाए जिससे नदी क्षेत्र पर किए जाने वाली विषैली खेती कार्य पर अंकुश हो। साथ ही नदी में होने वाली खेती पर रोक लगेगी तो इसके गहरी करण हेतु कार्यवाही भी की जा सकती हैं। साथ आगामी ग्रीष्म ऋतु में कम से कम पीने का पानी आम जनता को मिल सके किंतु यदि प्रशासन नहीं चेता तो एक बार फिर पिछले वर्ष की तरह जल संकट का सामना करना पड़ेगा।

मरझोर में शोक की लहर: अमीरचंद चौरसिया का निधन, अंतिम संस्कार आज

सिवनी (स्वतंत्रमत)

मरझोर निवासी अमन शिवम चौरसिया के पूज्य पिता अमीरचंद चौरसिया का मंगलवार 10 मार्च की सुबह अचानक हृदय गति रुक जाने से दुखद निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही मरझोर सहित आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई।

स्वर्गीय अमीरचंद चौरसिया सरल, मिलनसार एवं धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे, जिनका

समाज में विशेष सम्मान था। वे छिंदवाड़ा निवासी घनश्याम चौरसिया के बड़े भाई थे। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार उनका अंतिम संस्कार बुधवार 11 मार्च को प्रातः 9 बजे उनके निज निवास मरझोर से किया जाएगा, जहां परिजन, रिश्तेदार एवं क्षेत्रवासी उन्हें अंतिम विदाई देंगे। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति दें।

डीपी चतुर्वेदी महाविद्यालय का राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर बलपुरा में संपन्न

सिवनी (स्वतंत्रमत)

शहर के प्रतिष्ठित निजी शैक्षणिक संस्थान डी.पी. चतुर्वेदी विज्ञान, वाणिज्य, कला एवं शिक्षा महाविद्यालय बारापत्थर सिवनी द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन ग्राम बलपुरा में किया गया। यह शिविर 24 फरवरी 2026 से 2 मार्च 2026 तक आयोजित हुआ। शिविर के दौरान स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति, स्वास्थ्य जागरूकता, साक्षरता, वृक्षारोपण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और

सामाजिक समरसता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। सात दिनों तक स्वयंसेवकों ने रैली एवं नुक्कड़-नाटक के माध्यम से विभिन्न सामाजिक संदेशों को गांव-गांव तक पहुंचाया।

शिविर का उद्घाटन प्राचार्य डॉ. अभिषेक चतुर्वेदी एवं सरपंच श्रीमती संगीता कोल्हे के साथ माध्यमिक स्कूल के प्रधान पाठक प्रेम विक्रम धुर्वे द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. अभिषेक चतुर्वेदी ने अपने संबोधन में ग्रामीणों को स्वच्छता बनाए रखने और स्वस्थ गांव बनाने का संकल्प दिलाया। समापन समारोह में संस्था के चेयरमैन डॉ. के.के. चतुर्वेदी ने छात्रों को मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से बचने, सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करने तथा व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने की सलाह दी। उन्होंने इंटरनेट से जुड़ी गलत सूचनाओं के प्रति भी छात्रों को सजग रहने का संदेश दिया। शिविर के दौरान बच्चों को स्वच्छता का महत्व समझाया गया तथा स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए भाषण, कविता, गीत आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन कर विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम में ग्राम सरपंच, गणमान्य नागरिक, संस्था के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। सभी के सहयोग से सात दिवसीय शिविर का सफलतापूर्वक समापन किया गया।

बरघाट में उत्साह के साथ मनाया गया 11 वां अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

सिवनी (स्वतंत्रमत)

बरघाट नगर के मंगल भवन, नया बस स्टैंड बरघाट में रविवार 8 मार्च को 11वां अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय महिलाओं की गरिमामय उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों में इमरता साहू (नगर पालिका अध्यक्ष), डॉ. सायमा सर देशमुख (खेलकूद अधिकारी शासकीय महाविद्यालय बरघाट), सोनी सारस्वत (असिस्टेंट प्रोफेसर सिवनी), प्रियंका भालेकर (असिस्टेंट प्रोफेसर छपारा) शशि

सरयाम (प्राचार्य सिल्लौर) गोमती ठाकुर (सांसद प्रतिनिधि) भारती रजक (सांसद प्रतिनिधि) ममता पाठक (पार्षद) साक्षी बिसेन (पार्षद) तथा अर्चना जामुनपानी (विकास अधिकारी) की गरिमामय उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधनों में महिलाओं को आत्मविश्वास और शिक्षा के साथ समाज में अपनी पहचान स्थापित करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर उन माताओं-सावित्री रामकृष्ण उइके जी, श्यामलता/ रविंद्र सारस्वत जी सुनीता/ अरविंद भालेकर जी को प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया, जिन्होंने पारिवारिक, आर्थिक एवं सामाजिक चुनौतियों का सामना करते हुए अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाकर शासकीय सेवाओं में उच्च पदों तक पहुंचाया।यह सम्मान समारोह उपस्थित जनसमूह के लिए अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक क्षण बना।

कार्यक्रम के सांस्कृतिक आयोजन भी अत्यंत आकर्षक और सराहनीय रहे। अपर्णा मेश्राम और प्रगति जायसवाल के मधुर गीतों ने वातावरण को सुरमयी बना दिया, वहीं आयोजन समिति द्वारा प्रस्तुत महिला सशक्तिकरण पर आधारित अभिनय ने नारी शक्ति के संघर्ष और सामर्थ्य को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। इसके साथ ही रश्मि श्रीवास, भूमेश्वरी अजीत, प्रिया मासुरकर गायत्री काकोड़िया, अर्चना शेंडे और रश्मि भैंसारे के मनमोहक नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मढ़िया वार्ड समिति द्वारा प्रस्तुत नाटक में सामाजिक संदेश का समावेश रहा।

कार्यक्रम का सफल मंच संचालन सुनीता बागेश्वर एवं सुषमा लांजेवार द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में रमला बागेश्वर, रुचिका वासनिक, अपर्णा मेश्राम , निभा गेड़ाम, सुनीता डोंगरे, आनंदा मेश्राम, रेणू रावत, प्रमिला भालेकर, लक्ष्मी गेड़ाम, कृष्णा उके, स्वर्णलता भालेकर, रेखा भालेकर सहित सभी सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

यह आयोजन नारी शक्ति, आत्मसम्मान और सामाजिक जागरूकता का सशक्त संदेश देते हुए बरघाट नगर के लिए एक प्रेरणादायक और यादगार कार्यक्रम बना।

मुनिया टांक बने भाजपा जिला मंत्री

सिवनी (स्वतंत्रमत)

भारतीय जनता पार्टी द्वारा संगठनात्मक विस्तार के तहत जिले में नई जिम्मेदारियों का वितरण किया गया है। इसी क्रम में भाजपा ने मुनिया टांक को जिला मंत्री के पद पर नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।मुनिया टांक लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए हैं और संगठन के विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। पार्टी नेतृत्व ने उनकी संगठन के प्रति निष्ठा, सक्रियता और कार्यशैली को देखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

जिला मंत्री बनाए जाने पर मुनिया टांक ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की मजबूती और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे।

उनकी नियुक्ति पर जिले के कई भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा।

शासकीय विधि महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया

सिवनी (स्वतंत्रमत)

शासकीय विधि महाविद्यालय सिवनी में प्रतिवर्ष अनुसार विश्व अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। महाविद्यालय प्रमुख प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार चौरासे के मार्गदर्शन के रूप में यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की विशेष थीम 'गिव टू गेन' रखी गई है, महाविद्यालय में मुख्य वक्ता के रूप में हर्षा बघेल, सहा.प्रा.भौतिक शास्त्र नेताजी सुभाषचंद्र बोस कन्या महाविद्यालय सिवनी एवं प्रीति सिरसाम, शासकीय महाविद्यालय घंसौर जिला सिवनी, सुश्री दीक्षा पटले एवं सोनी सारसवत का पुष्पगुच्छ के साथ स्वागत किया गया। कार्यक्रम

का शुभारम्भ सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत के साथ हुआ। महिलाओं को सशक्तिकरण को लेकर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है जिसमें महिला अपने अधिकारों को जानकर आत्मनिर्भर बन सके। इस अवसर पर मुख्य अतिथि हर्षा बघेल ने कहा कि पूर्व से ही स्त्री एवं पुरूष के कार्यो को विभाजित कर दिया गया है और उन्हें संस्कृति में बाधकर उन्हें बढ़ने का अवसर नहीं दिया गया है। जबकि आजादी के समय महिलाओं के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता उन्होंने अपनी लड़ाई स्वंय लड़ी है। प्रीति सिरसाम ने कहा कि अपने घर की चार दीवारी से बाहर निकल अपनी सोच को सशक्त बनाये। ताकि समाज में महिला के प्रति हो रही हिंसा के प्रति डटकर सामना कर अपने अधिकारों के साथ जीवन सुरक्षित कर सकें। आयोजन के दौरान छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम सुरभि रजक, निकिता मर्सकोले, ऋचा मिश्रा, निधि डहेरिया, अंकिता बघेल ने अपनी प्रस्तुति दी।

पेंच टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा फ्रेंड्स ऑफ मोगली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया

सिवनी (स्वतंत्रमत)

पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी के खवासा एवं गुमतरा में पेंच टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा फ्रेंड्स ऑफ मोगली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कुल 370 बच्चोंष ने भाग लिया। इन सभी 370 बच्चों को पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी के बफर क्षेत्र के 37 गांवों में निर्मित मोगली बाल उद्यान से आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों को पर्यावरण संरक्षण वन्योप्राणी सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन आदि विषयों पर प्रेजेन्टे शन और पिक्च र के माध्यमम से जागरूक किया गया। कार्यक्रम के उपरांत बच्चों को गेम, स्वा दिष्टि भोजन, परिचर्चा तथा सफारी के माध्यरम से वन्य।प्राणी दर्शन का आनंद भी बच्चों द्वारा उठाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र संचालक पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी के द्वारा भी बच्चों से संवाद स्थाबपित किया गया तथा मोगली बाल उद्यान की स्वेचच्छार से देखभाल रखने, पर्यावरण प्रेम करने और आगे बढने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया।कार्यक्रम में सुश्री गुरलीन कौर प्रशिक्षू भा.व.से. प्रभारी सहायक वन संरक्षक सिवनी क्षेत्र पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी, लोचन सिंह मर्सकोले जनपद पंचायत अध्यकक्ष कुरई एवं स्थाचनीय जनप्रतिनिधि भी शामिल रहे। कार्यक्रम की समाप्ति के उपरांत बच्चों को वरिष्ठव अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों के द्वारा उपहार स्वरूप सामग्री प्रदान की गई।